Social Psychology. (समाज मनोविज्ञान).

समाज मनोविज्ञान क्या है? :→ समाज मनोविज्ञान मनोविज्ञान की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत व्यक्ति के व्यवहार तथा अनुभूति का अध्ययन सामाजिक वातावरण में किया जाता है। Crutch & Crutchfield (1979) ने समाज मनोविज्ञान को एक ओर शुद्ध मनोविज्ञान तथा दूसरी ओर व्यवहारिक मनोविज्ञान माना है। शुद्ध मनोविज्ञान में प्रयोगात्मक अध्ययन किए जाते हैं और प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर सिद्धांत तथा नियम बनाए जाते हैं। व्यवहारिक मनोविज्ञान में शुद्ध मनोविज्ञान के द्वारा बनाए गए नियमों का उपयोग भिन्न-2 व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान के लिए किया जाता है।

समाज मनोविज्ञान इन दोनों प्रकार के कार्यों को करता है। मनुष्य समाज में रहता है और कई रूपों में व्यवहार करता है। एक ही मनुष्य कहीं आर्थिक मनुष्य (economic man) के रूप में, कहीं राजनीतिक मनुष्य (Political man) के रूप में तो कहीं सामाजिक मनुष्य (Social man) के रूप में रहता है या देखा जाता है। समाज मनोविज्ञान का सम्बंध सामाजिक मनुष्य से है। समाज में मनुष्य दूसरे व्यक्ति के व्यवहारों से कैसे प्रभावित होता है, और अपने विचार से दूसरे को कैसे प्रभावित करता है इसका अध्ययन समाज मनोविज्ञान में किया जाता है।

समाज मनोविज्ञान व्यवहारिक मनोविज्ञान (Applied Psychology) भी है। इसका कारण यह है कि इसके अन्तर्गत व्यवहारिक सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए शुद्ध मनोविज्ञान के सिद्धांतों एवं नियमों का उपयोग किया जाता है। प्रत्येक समाज में अनेक सामाजिक समस्याएँ होती हैं। जैसे: अपराध (Crime), भ्रष्टाचार (Corruption), वेश्यावृत्ति (Prostitution), जातिवाद (Casteism) जातिय पूर्वधारणा (Racial prejudice), वर्ग संघर्ष (Class conflict) साम्प्रदायिक दंगों (Communal riots), आदि मुख्य हैं।

समाज मनोविज्ञान इसी तरह व्यावहारिक सामाजिक समस्याओं के समाधान का प्रयास करता है। अत: समाज मनोविज्ञान शुद्ध मनोविज्ञान के साथ-2 व्यावहारिक मनोविज्ञान भी है। (*)

समाज मनोविज्ञान का क्षेत्र काफी व्यापक है।

मनोविज्ञान की दूसरी शाखाओं की तुलना में समाज मनोविज्ञान की प्रगति अधिक तेजी गति के साथ हो रही है तथा इसका क्षेत्र भी काफी व्यापक हो चला है। इसके क्षेत्र के अन्तर्गत समूह (group) भीड़ (crowd) समाजीकरण (socialization), मनोवृत्ति (attitude), प्रचार (propaganda), जनमत (Public opinion), अफवाह (rumour), प्रेरणा (motivation), समूह (group), प्रभावशीलता (group effectiveness), सामाजिक तनाव (social tension), अनुपालन (conformity), संस्कृति (culture), भाषा (Language) आदि के विभिन्न सिद्धांतों, नियमों का अध्ययन समाज मनोविज्ञान के अन्तर्गत किया जाता है।

—0—

Chaplin (1975) ने समाज मनोविज्ञान की परिभाषा देते हुए कहा है कि "समाज मनोविज्ञान वह विज्ञान है, जिसमें व्यक्ति के व्यवहारों का अध्ययन हो सामाजिक परिस्थितियों में किया जाता है।" दूसरे शब्दों में "Social Psychology deals with behaviour interaction of individuals within group and the interaction between groups." अपने समूह में अंतर तथा दो समूहों के बीच। व्यक्ति जिस समूह का सदस्य होता है, वह उस समूह के लोगों के साथ व्यवहार करता है। इसके अलावा वह दूसरे-2 समूहों के लोगों के साथ भी व्यवहार करता है। समाज मनोविज्ञान व्यक्ति के इन दोनों प्रकार के सामाजिक व्यवहारों का अध्ययन करने वाला विज्ञान है। उनके अनुसार "